सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 222 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 18 सितम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है।
-हेलेन केलर

सिराज का कहर, भारत बना एशिया कप... 7 | छत्तीसगढ़ में फिर बढ़ेगा भूपेश का... 3 | पिछड़ों, दलितों व वंचितों के खिलाफ... 2

पुराने संसद भवन की विदाई

पुरानी संसद की खट्टी-मीठी यादों के साथ बीता विशेष सत्र का पहला दिन

» सरकार और विपक्ष ने एक-दूसरे पर कसा तंज
» अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पंडित नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक का किया जिक्र

कल से नई संसद में होगी कार्यवाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा बुलाए गए संसद के विशेष सत्र की आज से शुरूआत हो गई। पांच दिन तक चलने वाला यह विशेष सत्र 18 सितंबर से 22 सितंबर तक जारी रहेगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के संबोधन के साथ शुरू हुए इस विशेष सत्र में पीएम मोदी ने पहला भाषण दिया। सत्र की शुरूआत होते ही सरकार और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया। विपक्ष की ओर लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी और मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार पर जमकर हमला बोला।

वहीं आज का दिन पुराने संसद में कार्यवाही का अंतिम दिन है। कल यानी 19 सितंबर से संसद की कार्यवाही नई पार्लियामेंट बिल्डिंग में होगी। ऐसे में आज के दिन पीएम मोदी ने अपने संबोधन में पुराने संसद के इतिहास और देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर पीएम मनमोहन सिंह तक का जिक्र किया। साथ ही पुरानी संसद की कई यादों को भी उन्होंने ताजा किया। पीएम मोदी के अलावा लोकसभा में कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी और राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी पुरानी संसद की स्मृतियों को याद किया।

नेहरू के गुणगान पर कौन नहीं बजाएगा ताली : मोदी

इस दौरान विपक्ष पर भी निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बहुत सी बातें ऐसी थीं जो सदन में हर किसी की तालियों की हकदार थी। लेकिन शायद उसमें भी राजनीति आगे आ गई। नेहरू जी का गुणगान अगर इस सदन में होगा, तो कौन सदस्य होगा जो उस पर ताली नहीं बजाएगा। शास्त्री जी ने 65 के युद्ध में देश के सैनिकों का हौसला इसी सदन से बढ़ाया था। वहीं इंदिरा गांधी ने इसी सदन से बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के आंदोलन का नेतृत्व किया। अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने भारत के मून मिशन चंद्रयान-3 और जी-20 समिट की सफलता का भी जिक्र किया। साथ ही उन्होंने पत्रकारों के योगदान की बात भी कही। प्रधानमंत्री ने पत्रकारों की तारीफ करते हुए कहा कि जो कई दिनों से संसद में रिपोर्टिंग कर रहे हैं और ऐसे पत्रकार जिन्होंने अब तक संसद को कवर किया है।

'पंडित नेहरू के स्ट्रोक ऑफ मिडनाइट की गूंज हम सबको करती है प्रेरित'

संसद के विशेष सत्र में पहला संबोधन और पुराने संसद में अपना अंतिम भाषण देते हुए पीएम मोदी ने दौरान पूर्व प्रधानमंत्रियों को भी याद किया। पंडित नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये वो सदन है जहां पंडित नेहरू का स्ट्रोक ऑफ मिडनाइट की गूंज हम सबको प्रेरित करती है। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम का आंदोलन भी इसी सदन ने देखा था। उन्होंने कहा कि सदन ने कैश फॉर वोट और 370 को भी हटते देखा है। वन नेशन वन टैक्स, जीएसटी, वन रैंक वन पेंशन, गरीबों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण भी इसी सदन ने दिया। पंडित नेहरू, शास्त्री से लेकर अटल, मनमोहन सिंह तक कई नाम हैं जिन्होंने इस सदन का नेतृत्व किया। सदन के माध्यम से देश को दिशा दी है। देश को नए रंग रूप में ढालने के लिए उन्होंने परिश्रम किया है, पुरुषार्थ किया है। आज उन सबका गौरवगान करने का अवसर है। सरदार वल्लभ भाई पटेल, लोहिया, चंद्रशेखर, आडवाणी न जाने अनगिनत नाम जिन्होंने हमारे इस सदन को समृद्ध करने में, चर्चाओं को समृद्ध करने का काम किया है।

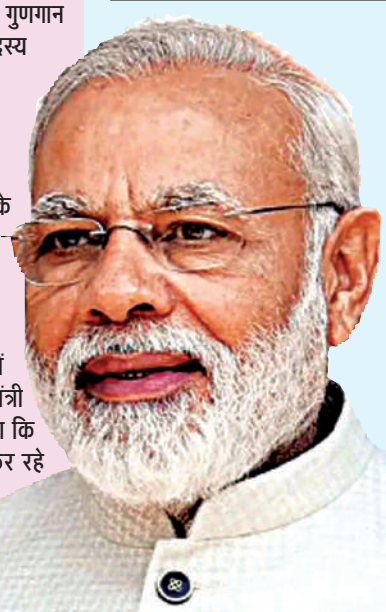

जब लोकतंत्र की चर्चा होगी तो नेहरू और अंबेडकर का होगा जिक्र : अधीर

लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने अपना भाषण देते हुए कहा कि ये वाकई में हम सभी के लिए भावुक पल है कि पुरानी संसद से हमें जाना होगा। अधीर ने कहा कि पंडित नेहरू ने कहा था कि संसदीय लोकतंत्र कई गुणों की मांग करता है, इसके लिए क्षमता, कार्य के प्रति समर्पण और आत्म-अनुशासन की जरूरत होती है। हालांकि नेहरू को संसद में भारी बहुमत हासिल था, लेकिन वे विपक्ष की आवाज सुनने में अथक थे। कांग्रेस सांसद ने कहा कि जब संसद में संविधान की चर्चा हो, लोकतंत्र की चर्चा हो तो पंडित नेहरू और बाबा साहेब आंबेडकर की बात जरूर होगी। अपने भाषण को चौधरी ने कहा कि जंदगी बड़ी होनी चाहिए लंबी नहीं।

बात-बात पर डराने की जरूरत नहीं : खरगे

राज्यसभा में संसद के विशेष सत्र के पहले और पुरानी संसद के अंतिम दिन कांग्रेस अध्यक्ष और नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक कविता के साथ अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने इस कविता के जरिए सरकार को घेरा और कहा कि अगर आपसे कुछ नहीं हो पाता है, तो आप कुर्सी छोड़ दें। आपको बात-बात पर डराने की जरूरत नहीं है। वहीं भाजपा द्वारा विपक्षी गठबंधन इंडिया के नाम को लेकर कसे जा रहे तंज पर खरगे ने कहा कि आप इंडि बोलो या कुछ और बोलो, हम लोग इंडिया हैं। नाम बदलने से कुछ नहीं होता है। विपक्ष की अनदेखी करने पर खरगे ने कहा कि हमारे यहां सत्ता का हस्तांतरण बटूंक के दम पर नहीं हुआ। गांधी जी ने जो आजादी दिलाई वह अहिंसा पर थी। इस भवन में 75 सालों के दौरान इस देश की सूरत बदली है। नेहरू जी सबको साथ लेकर चलते थे। वहीं एक मजबूत विपक्ष के मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि नेहरू जी का मानना था कि मजबूत विपक्ष की गैर-मौजूदगी का मतलब है कि सिस्टम में महत्वपूर्ण कमियां हैं। अगर मजबूत विपक्ष नहीं है तो यह ठीक नहीं है। अब, जब एक मजबूत विपक्ष है, तो ईडी, सीबीआई के माध्यम से इसे कमजोर करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं को अपनी पार्टी में लाने की कोशिश होती है।

पिछड़ों, दलितों व वंचितों के खिलाफ है भाजपा : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने कहा- बीजेपी ने किया विश्वकर्मा समाज का अपमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भाजपा पर हमला बोलने का एक भी मौका नहीं छोड़ते हैं। इस बीच विश्वकर्मा जयंती पर सभी को बधाई देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सृष्टि के शिल्पकार के रूप में विश्वकर्मा जी प्रसिद्ध हैं। इंद्र के सबसे शक्तिशाली अस्त्र वज्र का निर्माण भी विश्वकर्मा भगवान ने ही किया था। सपा अध्यक्ष इस दौरान भी भाजपा पर हमला बोलने से नहीं चूके। भाजपा को घेरते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा पिछड़ों व वंचितों के खिलाफ है।

अखिलेश ने कहा कि समाजवादी सरकार में विश्वकर्मा समाज के लिए ग्राम सभा की जमीन का पट्टा, विश्वकर्मा, लोहार, बढ़ाई समाज के नौजवानों को आइटीआइ का प्रमाण पत्र, पुश्तैनी काम करने वालों को रोजगार देने के साथ विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया था। भाजपा सरकार ने पूजा पर्व पर सार्वजनिक अवकाश निरस्त कर विश्वकर्मा समाज का अपमान किया है। सपा ने एक बार फिर सरकार से विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग की।

पार्टी को मजबूत बनाने के लिए होना होगा एकजुट

सपा प्रदेश कार्यालय में समाजवादी शिक्षक सभा की बैठक में राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए सभी को जुटना होगा। बैठक में शिक्षक सभा ने जमीनी स्तर पर एक-एक पदाधिकारियों को कार्य एवं दायित्व सौंपकर पूरी जिम्मेदारी व जवाबदेही के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष डा. एसपी सिंह पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष जंग बहादुर सिंह पटेल एवं शाह आलम खां सहित कई अन्य उपस्थित थे।

भाजपा सरकार ने चौपट कर दी प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था : राजेन्द्र

इस दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था चौपट कर दी है। नौजवानों का भविष्य अंधकार में है। समाज के निर्माण और विकास में शिक्षकों का बड़ा योगदान है। शिक्षक समाजवादी पार्टी की नीतियों को बाने में मदद करें। समाजवादी सरकार में अखिलेश यादव ने शिक्षकों और शिक्षा के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए थे।

भाजपा नेता ने की अभद्रता, तो महिला ने बीच सड़क पर जड़े थप्पड़

» नशे में धुत बताए जा रहे भाजपा नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंटरनेट मीडिया पर रविवार रात कार सवार भाजपा नेता अतुल दीक्षित का वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में देखा जा सकता है कि गाड़ी हटाने को लेकर एक महिला और कुछ लोगों से विवाद हो गया है। आरोप है कि विवाद के दौरान भाजपा नेता ने महिला और एक अन्य युवक से गाली गलौज की। जिसके बाद विरोध करने पर भाजपा नेता अभद्रता करने लगे, तो महिला ने उन्हें जमकर पीट दिया।

देर रात इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बायरल हो गया। इसके बाद लोग तरह-तरह के कमेंट करने लगे। वीडियो में इनोवा कार सवार भाजपा नेता अतुल दीक्षित पूर्व पार्षद हैं। कार में पार्टी का झंडा भी लगा है। वह कार में बैठे हैं गाड़ी हटाने को लेकर उनका महिला और एक युवक से विवाद हुआ। विवाद के दौरान अतुल कार से बाहर निकले दोनों पक्षों मे नोकझोंक हुई। दोनों का आरोप है कि अतुल दीक्षित नशे में धुत थे और उन्होंने गाली-गलौज की। युवक वीडियो बनाने लगा तो उसका मोबाइल भी छीनने की कोशिश की। इस पर उग्र होकर महिला ने उनकी पिटाई शुरू कर दी। थाना प्रभारी ठाकुरगंज और चौक ने बताया कि वीडियो उनके क्षेत्र का नहीं है जांच की जा रही है। इस तरह की अभी कोई शिकायत नहीं आया है। वीडियो कब का है इसकी भी जानकारी नहीं है। भाजपा के लिए इस तरह की घटनाएं काफी शर्मनाक हैं। क्योंकि एक ओर जहां सीएम योगी महिलाओं-बेटियों से छेड़छाड़ करने वालों को यमराज दिखाने की बात कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर उनकी ही पार्टी के नेता महिलाओं के साथ अभद्रता कर रहे हैं।

हिमंत बिस्वा सरमा को मिला सम्मान, कांग्रेस ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को सिंगापुर की ली कुआन यू एक्सचेंज फेलोशिप से सम्मानित किया गया। सरमा को विकास और अंतरराष्ट्रीय सद्भाव के मुद्दे को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका के लिए पुरस्कार के लिए चुना गया है। सरमा यह फेलोशिप पाने वाले असम के पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं।

फेलोशिप के हिस्से के रूप में सरमा को सार्वजनिक कार्यों और विकास में उनके समर्पित नेतृत्व के लिए निमंत्रण भेजा गया है। ली कुआन यू एक्सचेंज फेलोशिप के जरिए उन्हें सिंगापुर आने का निमंत्रण दिया गया है। लेकिन मुख्यमंत्री को मिले इस सम्मान पर अब कांग्रेस की ओर से सवाल भी उठा दिया गया है। सरमा को मिले इस असम्मान पर असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने सरमा को फेलोशिप देने के सिंगापुर सरकार के फैसले पर सवाल उठाते हुए आश्चर्य व्यक्त किया और कहा कि वह इसे वापस लेने के लिए लिखेंगे।

'बेटियों को छेड़ा तो होंगे यमराज के दर्शन'

» सीएम योगी ने शोहदों को दी चेतावनी

» मुख्यमंत्री ने कहा- विकास कार्यों में नहीं बरती जाएगी लापरवाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। विकास व जनकल्याण के लिए सुदृढ़ कानून व्यवस्था का उल्लेख करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कानून संरक्षण के लिए है, लेकिन कानून को बंधक बनाकर व्यवस्था में सेंध लगाने का प्रयास करने की इजाजत किसी को नहीं है। कानून सुरक्षा के लिए है, लेकिन यदि किसी ने बहन-बेटी के साथ छेड़खानी की तो अगले चौराहे पर उस शोहदे का इंतजार यमराज कर रहे होंगे।

सीएम ने बातें मानसरोवर रामलीला मैदान में आयोजित समारोह में 343 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहीं। विकास कार्यों को सरकार की शीर्ष प्राथमिकता को दृष्टिकोण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कोई भी कार्यदायी संस्था हो, उसे मानक व गुणवत्ता के साथ विकास कार्य करने को प्रतिबद्ध होना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार विकास, लोक कल्याण व बिना भेदभाव सभी लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पित और समर्पित है। सरकार के साथ यदि नागरिक भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे तो विकास कार्यों में बैरियर बनने वाले स्वत: बेनकाब होते दिखेंगे।

विकास ही प्रदेश की पहचान

इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि आज विकास ही गोरखपुर और उत्तर प्रदेश की पहचान है। छह वर्ष पहले प्रदेश में गोरखपुर की और देश मे उत्तर प्रदेश के प्रति लोगों की धारणा क्या थी, पहचान क्या थी, विकास की क्या स्थिति थी, यह सबको पता है। पीएम मोदी के मगर्दर्शन में विगत छह वर्षों में उत्तर प्रदेश और गोरखपुर ने विकास से अपनी नई पहचान बनाई है। आज उत्तर प्रदेश की पहचान देश में विकास, सुशासन और बेहतरीन कानून व्यवस्था की है। यहां दशकों से लंबित परियोजनाएं पूरी हो रही हैं।

जवानों की शहादत पर मोदी क्यों हैं मौन : ओवैसी

» आतंकियों से मुठभेड़ में शहीद हुए सेना के अधिकारियों को लेकर सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। कश्मीर के अनंतनाग में सेना और आतंकियों के बीच हो रही मुठभेड़ व सेना के अधिकारियों के शहीद होने को लेकर विपक्ष लगातार भाजपा सरकार पर हमलावर है। इसी क्रम में अब हैदराबाद के सांसद और एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने भी भाजपा पर सरकार पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी पर भी निशाना साधा है। ओवैसी ने आतंकियों द्वारा सुरक्षाबलों के चार जवानों की हत्या पर प्रधानमंत्री की चुप्पी को लेकर पीएम मोदी की आलोचना की है।

साथ ही ओवैसी ने ये सवाल भी किया है कि क्या केंद्र अब फिर सर्जिकल स्ट्राइक करेगा। साथ ही उन्होंने वर्ल्ड कप को लेकर भी सवाल उठाए। हैदराबाद रियासत के विलय की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम की सार्वजनिक बैठक को संबोधित करने पहुंचे एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान से आतंकवादी भारत आए और एक कर्नल की हत्या कर दी। आतंकियों ने एक मेजर और एक डिप्टी एसपी की भी हत्या कर दी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र चुप हैं। उन्होंने कहा कि 2019 में जब पुलवामा हमला हुआ था तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुस्सा व्यक्त किया था लेकिन हाल ही में हुए हमले को लेकर वह चुप हैं, कुछ नहीं बोल रहे। ओवैसी ने कहा कि यह अजीब है कि पीएम मोदी चुप हैं। यह केंद्र की विफलता है कि पाकिस्तान से आतंकी भारत आ रहे हैं। आप अब कब सर्जिकल स्ट्राइक करेंगे।

क्रिकेट विश्वकप को लेकर उठाए सवाल

वर्ल्ड कप को लेकर मोदी सरकार से सवाल पूछते हुए ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तानी आतंकी एक तरफ जम्मू-कश्मीर में हमारे जवानों की जिंदगी के साथ मैच खेल रहे हैं, क्या यह कम था कि अब पाकिस्तानी क्रिकेट टीम भी गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारतीय क्रिकेट टीम के साथ मैच खेलेगी।

शाह पर भी बोला हमला

सासंद ओवैसी ने गृहमंत्री अमित शाह पर भी झूठ बोलने का आरोप लगाया। दरअसल, केंद्र द्वारा आयोजित हैदराबाद मुक्ति दिवस के कार्यक्रम में शाह ने कहा था कि सरदार पटेल ने राष्ट्र प्रथम सिद्धांत का पालन करते हुए योजना बनाई और निजाम की रजाकर सेना को बिना रक्तपात के आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया। शाह के इसी बयान पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि कार्रवाई के बाद पंडित सुंदरलाल के नेतृत्व में एक समिति ने हैदराबाद राज्य का दौरा किया। इसके बाद उनके द्वारा बनाई गई रिपोर्ट में पंडित सुंदरलाल ने कहा कि संघर्ष में 20,000 से अधिक मुस्लिम मारे गए थे। उस दौरान भी पंडित जवाहरलाल नेहरू ने झूठ कहा था कि बिना रक्तपात के हैदराबाद का विलय हुआ और आज शाह ने भी झूठ कहा। पंडित सुंदरलाल की रिपोर्ट पूर्व पीएम नेहरू और गृहमंत्री शाह के बयानों को झूठा साबित करती है।

छत्तीसगढ़ में फिर बढ़ेगा भूपेश का यश!

विस-लोक चुनाव को लेकर बढ़ी सियासी सरगर्मी

» दिग्गजों ने शुरू किए राज्य के दौरे

» कांग्रेस अब भी भाजपा पर पड़ रही भारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव से पहले बीजेपी-कांग्रेस अपनी-अपनी सरकार बनने का दावा कर रही हैं। राज्य की दोनों प्रमुख सियासी दलों ने आगामी होने वाले विधान सभा व लोकसभा चुनावों के लिए कमर कसना शुरू कर दिया है। हालांकि छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल का पलड़ा सब पर भारी पड़ रहा है। हालांकि आगामी चुनावों में पता चलेगा कि कौन बाजी मारता है पर कुल मिलाकर कांग्रेस को बढ़त मिलती दिख रही है। कई ओपिनियन पोल्स भी सामने आएं हैं।

इस साल के अंत में होने वाले चुनाव से पहले अब आईएएनएस-पोलस्ट्रैट का ओपिनियन पोल सामने आया है। इस सर्वे के अनुसार, कांग्रेस की सरकार एक बार फिर से बन बन सकती है। सर्वे में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने का दावा किया गया है। कांग्रेस 62 के सीटें जीतने का अनुमान लगाया गया है। राज्य में अगर अभी विधानसभा के चुनाव होते हैं तो कांग्रेस को 44 फीसदी वोट शेयर मिलने का अनुमान है। दूसरी तरफ राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी को 38 फीसदी वोट मिलने का अनुमान है। बता दें कि राज्य में दो महीने बाद विधानसभा के चुनाव हो सकते हैं। 2018 में कांग्रेस ने जीत दर्ज कर सरकार बनाई थी। कांग्रेस ने बीजेपी को करारी शिकस्त दी थी। बीजेपी की सरकार 2003 से 2018 तक थी।

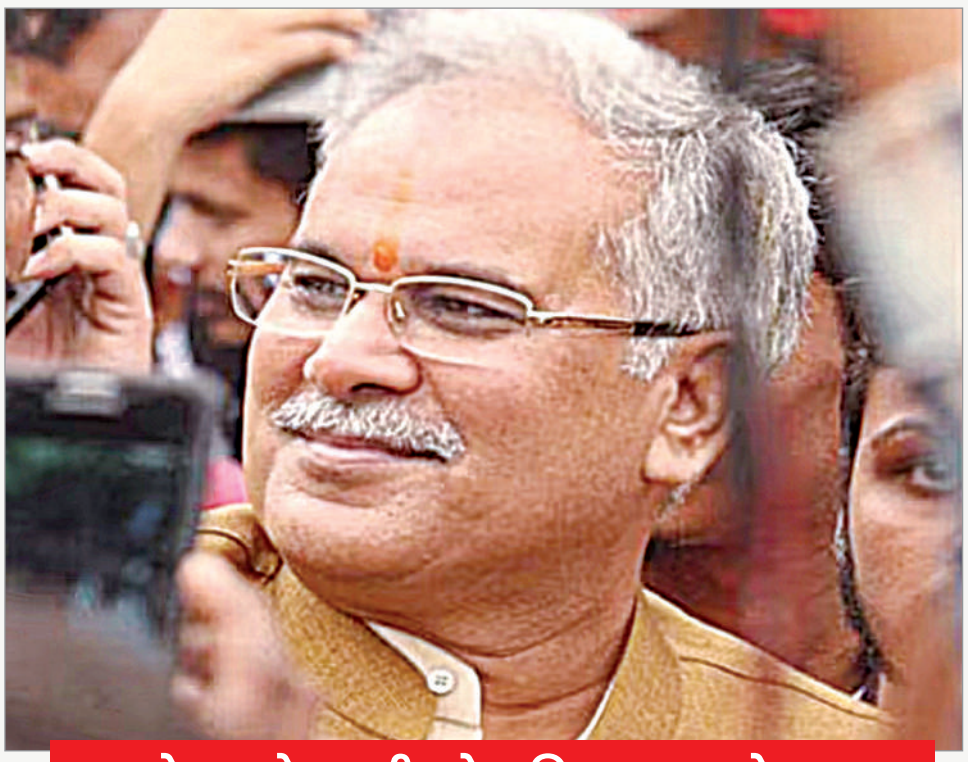

भूपेश बघेल की लोकप्रियता सबसे ऊपर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बघेल को बहुत मजबूत अनुमोदन रेटिंग प्राप्त है। उन्हें 60 प्रतिशत लोगों ने सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में समर्थन दिया है। वहीं, बीजेपी की तरफ से पूर्व सीएम रमन सिंह को 34 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है। इस ओपिनियन पोल्स के अनुसार, 50 प्रतिशत लोगों ने सीएम भूपेश बघेल उत्तरदाताओं ने सीएम बघेल के काम को अच्छा बताया।

कई जिलों से गुजरेंगी राजनैतिक यात्राएं

पहली यात्रा 16 दिनों में बस्तर, दुर्ग और रायपुर संभागों में 1,728 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जबकि दूसरी यात्रा 13 दिनों में बिलासपुर और सरगुजा संभागों में 1,261 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। दोनों यात्राओं में कुल 84 सार्वजनिक सभाएं, 85 स्वागत सभाएं और सात रोड शो होंगे। यात्रा 87 विधानसभा क्षेत्रों (कुल 90 में से) में 2,989 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद बिलासपुर में समाप्त होंगी।

फिर बन सकती है छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार

छत्तीसगढ़ में इसी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। विधानसभा चुनाव को लेकर आईएएनएस-पोलस्ट्रैट का ओपिनियन पोल सामने आया है। इस सर्वे रिपोर्ट ने राज्य में फिर से कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया है। सर्वे के अनुसार, भूपेश बघेल सबसे पसंदीदा सीएम पद के उम्मीदवार हैं। यह ओपिनियल पोल्स 1 से 13 सितंबर के बीच की किया गया है। सर्वेक्षण का नमूना आकार 3,672 था। 90 विधानसभा सीटों वाले छत्तीसगढ़ में इस समय कांग्रेस के 71 विधायक हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की लोकप्रियता को बीजेपी भी चुनौती मान रही है। वहीं, सर्वे रिपोर्ट में बीजेपी के खाते में 27 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है।

राज्य के लिए निरंतर काम किया है : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि 9 सालों में केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के लिए कई काम किए हैं। आज केंद्र सरकार सभी राज्यों का एक साथ विकास कर रही है। रेल नेटवर्क के विकास से छत्तीसगढ़ को लाभ मिलेगा। इन परियोजनाओं से छत्तीसगढ़ के विकास को नई ऊंचाई मिलेगी। इन योजनाओं से रोजगार के भी अवसर बढ़ेंगे।

टीएस सिंहदेव ने की केंद्र व मोदी की तारीफ

छत्तीसगढ़ के डेप्युटी सीएम टीएस सिंहदेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की तारीफ की है। पीएम मोदी छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में करोड़ों रुपए की सौगात दी है। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सरकार की तरफ से डेप्युटी सीएम टीएस सिंहदेव मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंहदेव ने कहा कि मैं अपने अनुभव के आधार पर कह रहा हूं कि केंद्र सरकार ने कभी हमारे राज्य से भेदभाव नहीं किया। उन्होंने कहा कि जब भी हमने केंद्र से मांगा हमें वहां से हर बार मिला है।सिंहदेव ने कहा कि ये मेरा सौभाग्य है कि मुझे पीएम मोदी का स्वागत करने का मौका मिला। टीएस सिंहदेव ने इस दौरान पीएम मोदी को सर कहकर भी संबोधित किया। इसके पहले मंच में पीएम मोदी और टीएस सिंहदेव आपस में चर्चा करते दिखाई दिए। सिंहदेव का भाषण खत्म होने के बाद पीएम मोदी ने उनसे हाथ भी मिलाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंहदेव ने कहा कि राज्य में हर 10 में से 1 व्यक्ति सिकलसेल से ग्रसित है। इनके लिए केंद्र के जरिए जो काम कर रहा है, मैं उसका शुक्रिया करता हूं। उन्होंने कहा कि राज्य ने उन सभी उत्तरदायित्वों का पालन किया, जो राज्य के क्षेत्र के हैं। संघीय ढांचे को इसी तरह आगे लेकर जाएंगे। मैं अपने अनुभव के आधार पर कह रहा हूं कि मैंने भेदभाव महसूस नहीं किया।

महतारी के अपमान पर भड़की कांग्रेस, नड्डा का पुतला फूंका

छत्तीसगढ़ चुनाव को लेकर बीजेपी प्रदेश में माहौल बना रही है। बी राजधानी रायपुर से पश्चिम विधायक विकास उपाध्याय और जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का पुतला जलाया गया। कांग्रेसियों ने भारतीय जनता पार्टी पर छत्तीसगढ़ महतारी का अपमान करने का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। दरअसल छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी परिवर्तन यात्रा निकालकर प्रदेश में चुनावी माहौल बना रही है। परिवर्तन यात्रा के रथ में छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो सीढ़ियों के नीचे लगाया है। इतना ही नहीं इस रथ को हरी झंडी दिखाने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जशपुर पहुंचे। जहां उन्होंने परिवर्तन यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत भी की। कांग्रेस ने रथ में छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो को गलत जगह पर लगाए जाने का विरोध किया। कांग्रेस ने बीजेपी पर छत्तीसगढ़ महतारी का अपमान करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस विधायक विकास उपाध्याय ने हाथ में फोटो लेकर बीजेपी पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी परिवर्तन यात्रा के रथ में अपने नेताओं की बड़ी-बड़ी फोटो लगाई है। लेकिन छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो रथ में चढ़ने वाली सीढ़ियों के नीचे लगाना छत्तीसगढ़ महतारी और छत्तीसगढ़ की जनता का अपमान है। उन्होंने कहा कि बीजेपी के इस कृत्य का कांग्रेस पार्टी पुरजोर विरोध करती है। इसी विरोध को व्यक्त करते हुए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का पुतला फूंका गया है।

कांग्रेस को देशहित से कोई लेना देना नहीं : नड्डा

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने छत्तीसगढ़ के जशपुर से बीजेपी की परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। नड्डा ने माता खुजिया रानी व बालाजी मंदिर की पूजा अर्चना भी की। यह रथ उत्तर छत्तीसगढ़ के दो संभागों के 14 जिलों की 39 विधानसभा सीटों से गुजरेगा। जेपी नड्डा छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के बुलावे और आमंत्रण पर भूपेश बघेल जी-20 सम्मेलन में नहीं गए। कोयला घोटाला, यूरिया घोटाला, गरीब कल्याण, अन्न योजना घोटाला, गोबर घोटाला, गौशाला घोटाला, रेडी टू ईट घोटाला, सब भूपेश सरकार में ही संभव है। ऐसे भ्रष्ट सरकार को हटाने और स्व दिलीप सिंह जूदेव के बताए मार्ग पर चलने परिवर्तन अति आवश्यक है।

कांग्रेस ने राज्य में घोषित की चार कमेटियां

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए सोमवार को कोर कमेटी और चुनाव अभियान समिति सहित चार समितियों का गठन किया। इस कमेटियों में पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को स्थान दिया गया है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कोर कमेटी, चुनाव अभियान समिति, संचार समिति और प्रोटोकॉल समिति के गठन को स्वीकृति प्रदान की। इन कमेटियों की जिम्मेदारी पार्टी के सीनियर नेताओं को सौंपी गई है। कांग्रेस महासचिव और छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा को सात सदस्यीय कोर कमेटी का संयोजक बनाया गया है। कोर कमेटी में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज, वरिष्ठ नेता

चरणदास महंत, प्रदेश सरकार में मंत्री ताम्रध्वज साहू और शिव कुमार डहरिया शामिल हैं। चरणदास महंत को 74 सदस्यीय चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस समिति में सीएम बघेल, उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं को इस समिति में स्थान दिया गया है। इसके साथ ही पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम, मंत्री कवासी लखमा समेत 74 नेताओं को इस समिति में जगह दी गई है।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता रवींद्र चौबे की अध्यक्षता में 15 सदस्यीय संचार समिति और अमरजीत भगत की अध्यक्षता में 25 सदस्यीय प्रोटोकॉल समिति का गठन किया गया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में इस साल नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है। विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पहले भी कमेटियों की घोषणा कर चुकी है। कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के लिए पहले जो कमेटियां घोषित की थी उनमें घोषणा पत्र समिति भी शामिल थी। इस समिति की अध्यक्ष मंत्री मोहम्मद अकबर को बनाया गया है। इस बार कांग्रेस का घोषणा पत्र उनके ही नेतृत्व में तैयार होगा। 2018 में इस कमेटी के अध्यक्ष टीएस सिंहदेव थे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पूरे मूल्यांकन के बाद बनाए जाते हैं जज

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने जजों की नियुक्ति करने वाले कॉलीजियम सिस्टम के एक सीक्रेट का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट जज की हर एक पोस्ट लिए 5 सदस्यों वाली कॉलीजियम हाई कोर्ट के 50 सबसे वरिष्ठ जजों का मूल्यांकन करती है। उनके न्यायिक फैसलों की गुणवत्ता पर विचार करती है। उनके व्यक्तिगत पहलुओं पर गौर करती है। सीजेआई ने रामजेठमलानी मेमोरियल लेक्चर में यह बात कही।

भारत के मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने बेबाकी ने कहा कि एक-एक जज की नियुक्ति में पूरी पारदर्शिता रखी जाती है। उन्होंने कहा कि 1 जज को बनाने के लिए 50 जजों पर चर्चा की जाती है उनमें जो खरा होता है वह जज बनाया जाता है। सीजेआई सुप्रीम कोर्ट के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। दरअसल, कोर्ट और हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति करने वाले कॉलीजियम सिस्टम की काफी आलोचना होती रहती है। खासतौर पर अपारदर्शिता को लेकर इस पर सवाल उठते हैं। लेकिन सीजेआई डी. वाई. चंद्रचूड़ ने जजों की नियुक्ति प्रक्रिया के राज से पर्दा उठाया है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने जजों की नियुक्ति करने वाले कॉलीजियम सिस्टम के एक सीक्रेट का खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट जज की हर एक पोस्ट लिए 5 सदस्यों वाली कॉलीजियम हाई कोर्ट के 50 सबसे वरिष्ठ जजों का मूल्यांकन करती है। उनके न्यायिक फैसलों की गुणवत्ता पर विचार करती है। उनके व्यक्तिगत पहलुओं पर गौर करती है। सीजेआई ने रामजेठमलानी मेमोरियल लेक्चर में यह बात कही।

कॉलीजियम सिस्टम की अक्सर उसकी अपारदर्शिता को लेकर काफी आलोचनाएं होती हैं। कॉलीजियम संभावित कैंडिडेट के बारे में पर्याप्त जानकारी के बिना ही नियुक्ति करती है। वरिष्ठ वकील नरीमन ने कुछ समय पहले कहा था कि कॉलीजियम सुप्रीम कोर्ट के जजों का चुनाव करते वक्त जिन नामों पर विचार करती है, उनके बारे में पर्याप्त जानकारी के बिना ही नियुक्ति करती है। नरीमन ने ही 1993 के मशहूर और बहुचर्चित द सेकंड जजेज को जीता था जिसके बाद जजों की नियुक्ति के लिए कॉलीजियम सिस्टम लाया गया। जब कलीजियम के सदस्य सुप्रीम कोर्ट में किसी वैकेंसी को भरने का फैसला करते हैं तो हाई कोर्ट के 50 सबसे सीनियर जजों की प्रमाणिकताओं पर विचार करते हैं, उनके फैसलों और व्यक्तिगत डीटेल के देखते हैं। इस तरह उन्होंने इस मिथक पर विराम लगाया कि सुप्रीम कोर्ट के जजों की नियुक्ति के लिए सिर्फ हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों और 20 सबसे सीनियर जजों के नामों पर विचार किया जाता है। जब मैं कहता हूं कि हाई कोर्ट के 50 टॉप जजों के नाम पर विचार किया जाता है तो इसका मतलब ये नहीं है कि 51वें, 52वें या 53वें पर विचार नहीं होगा। अगर उनमें उत्कृष्ट योग्यता है तो उन पर भी विचार किया जाता है। चयन प्रक्रिया के बारे में और खुलासा करते हुए सीजेआई ने दर्शकों से कहा कि सुप्रीम कोर्ट के सेंटर फॉर रिसर्च ऐंड प्लानिंग के पास अपने रिसर्चरों की टीम है जो विचार किए जाने वाले हाई कोर्ट जजों के फैसलों समेत तमाम डेटा जुटाते हैं। फिर शीर्ष 5 जजों को भेजा जाता है। उसके बाद कॉलीजियम की बैठक में इन डेटा का विस्तृत विश्लेषण होता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जीवनशैली में बदलाव से ही रुकेगा क्षरण

ज्ञानेन्द्र रावत

ओजोन परत के कारण ही धरती पर जीवन संभव है। इसके महत्व को समझते हुए साल 1987 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मांट्रियल समझौते पर हस्ताक्षर की तारीख को चिन्हित करते हुए 16 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस घोषित किया था। जीवन के लिए महत्वपूर्ण वायुमंडल में ओजोन परत की खोज 1867 में जर्मन-स्विस वैज्ञानिक शानबीन ने की और उसके बाद इसकी पुष्टि एन्ड्रयूज ने की। बता दें कि यह एक हल्की नीली गैस है जिसमें तेज अप्रिय गंध होती है। यह परत सूर्य के उच्च आवृत्ति के पराबैंगनी प्रकाश की 90 फीसदी मात्रा को अवशोषित कर लेती है जो पृथ्वी पर जीवन के लिए हानिकारक है।

आज उसी ओजोन परत में हुए छेद में बढ़ोतरी होते जाने से आर्कटिक में गर्मी बढ़ने, बर्फ के पिघलने की दर में तेजी आने, त्वचा के कैंसर व मेलेनोमा के मामलों में बेतहाशा वृद्धि का खतरा मंडरा रहा है। इसके चलते मानव जीवन, जीव-जंतु, पेड़-पौधों और पारिस्थितिकी का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। एक अध्ययन के मुताबिक, यूवीबी विकिरण में दस फीसदी की बढ़ोतरी पुरुषों में मेलेनोमा के मामलों में उन्नीस फीसदी और महिलाओं में सोलह फीसदी की बढ़ोतरी करती है। फसलों की वृद्धि भी प्रभावित हुई है। इसके दुष्प्रभाव से लोगों का स्वास्थ्य खराब होगा, चर्म रोग, कैंसर जैसी बीमारियां बढ़ेंगी, आंखों पर दुष्प्रभाव होगा। यदि हम धरती के ओजोन परत रूपी इस सुरक्षा कवच को बचाने में नाकाम रहे तो यहां जीवन की कल्पना बेमानी होगी। क्योंकि पृथ्वी के वायुमंडल के स्ट्रैटोस्फेयर के नीचे के हिस्से में बड़ी मात्रा में ओजोन पायी जाती है, इसे ही ओजोन परत कहते हैं। इसके क्षरण का मूल कारण प्रदूषण है जिसमें मानवीय दखलंदाजी की प्रमुख भूमिका है। इसी कारण सूर्य की पराबैंगनी किरणें धरती पर सीधे-सीधे टकराती हैं जो तबाही का कारण बनती हैं। इस परत के क्षरण में वाहनों के धुएं, फ्रिज-एसी से निकलने वाली क्लोरोफ्लोरोकार्बन गैस की खास भूमिका है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि धरती के चारों ओर ओजोन की परत जितनी मोटी होगी, सूर्य की पराबैंगनी किरणों से उतनी ही धरती बची रहेगी। वैज्ञानिकों के अनुसार ओजोन के लिए खतरनाक गैसों के प्रयोग एवं रिसाव में 90 फीसदी की कटौती तथा वैकल्पिक गैस ईजाद करने से समस्या का समाधान नजर नहीं आता। इसके

बावजूद उत्तरी ध्रुव में आर्कटिक पर ओजोन में करीब दस लाख वर्ग किलोमीटर का बड़ा छेद हो गया है। फिर भी यह अंटार्कटिका के छेद से बहुत छोटा है जो तीन-चार महीने में दो से ढाई करोड़ वर्ग किलोमीटर तक फैल जाता है। इसका अहम कारण मौसम में हो रहा बदलाव है। शोध-अध्ययन इसके सबूत हैं कि प्रदूषण में दिनब-दिन जो बढ़ोतरी हो रही है, उसपर अंकुश के दावे बेमानी हैं। जबकि जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर ओजोन परत पर पड़ा है जिससे उसके लुप्त होने का खतरा मंडराने लगा है। दरअसल वायुमंडल के ऊपरी हिस्से में लगभग 25 किलोमीटर की ऊंचाई पर फैली ओजोन परत सूर्य की किरणों के खतरनाक अल्ट्रावायलट हिस्से से पृथ्वी के जीवन की रक्षा करती है। यही जब धरती के वायुमंडल में आ जाती है तो हमारे लिए जहरीली गैस के रूप में काम करती है। यदि हवा में ओजोन का स्तर काफी अधिक हो जाये तो बेहोशी और दम घुटने की स्थिति आ सकती है। हवा में ओजोन का स्तर बढ़ने से उसकी गुणवत्ता खराब होती है। प्रचंड गर्मी ओजोन के रूप में नई मुश्किलें पैदा कर रही है जो हवा में ओजोन के स्तर बढ़ने से पैदा हुई है। यह समस्या सांस से जुड़ी बीमारियां, उल्टी आने, चक्कर, थकान बढ़ने, रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने और ब्लड प्रैशर की मुख्य वजह साबित हो रही है। मौसम विज्ञानियों की मानें तो बढ़ती गर्मी के लिए भी प्रदूषण ही जिम्मेदार है। ऐसे में हमें प्रदूषण का स्तर कम करना होगा। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार जिस रफ्तार से ओजोन परत की क्षति हो रही है, उससे हरेक साल त्वचा कैंसर के तीन लाख अतिरिक्त रोगी पैदा होंगे, फसलों को नुकसान पहुंचेगा और समुद्री जीवन के आधार को भी क्षति पहुंचेगी।

अकेले राजधानी दिल्ली को लें, यहां के वातावरण में ओजोन के प्रदूषक कणों की मात्रा डेढ़ गुणा तक बढ़ गयी है। यह सारा दोष अति उपभोगवादी संस्कृति का है जो प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन और बर्बादी की जन्मदात्री है। जरूरत है कि हम उपभोगवादी संस्कृति को त्यागकर पृथ्वी को शस्य, श्यामला और समस्त चराचर जीवों के लिए सुरक्षित बनाएं। इसके लिए हम अपनी जीवन शैली बदलें, भौतिक संसाधनों पर निर्भरता कम करें, अधिक से अधिक पेड़ लगायें, और उनकी रक्षा करें।

बचाव को कारगर रणनीति बनाने का वक्त

हाल के दिनों में कुत्ता काटने की घटनाओं में बेहताशा इजाफा हुआ है। रेबीज संक्रमण से फैली घटनाओं के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रेबीज टीके के स्टॉक की समीक्षा का उपक्रम किया है।उ.प्र. सरकार ने भी सभी जिलों के सीएमओ को इस बाबत आदेशित किया है। दरअसल, कड़वी सच्चाई से सभी वाकिफ होने के बावजूद कुत्ता काटने के बाद लोग लापरवाही बरतते हैं।

डॉ. रमेश ठाकुर

हाल ही में रेबीज से उत्पन्न एक दर्दनाक घटना ने समाज को चिंता में डाल दिया है। आमजन इस बात से अचंभित हैं कि आखिर रेबीज का संक्रमण अचानक से इतना खतरनाक और जानलेवा कैसे हो गया? अक्सर कुत्ता काटने के बाद पीड़ित रेबीज का टीका लगवा लेते हैं और एकाध सप्ताह में स्वस्थ हो जाते हैं। कुछ दिनों पहले गाजियाबाद में रेबीज इंफेक्शन से एक किशोर की मौत हो गई। बच्चे को डेढ़ माह पूर्व पार्क में खेलते वक्त कुत्ते ने काटा था। मगर उसने डर के चलते यह बात परिजनों से छिपाई। लेकिन कुछ दिन बाद रेबीज का संक्रमण बच्चे के शरीर में इतनी तेजी से फैला कि लक्षण साफ दिखाई देने लगा। पिता बच्चे को गोद में लेकर अस्पतालों के चक्कर काटता रहा। लेकिन, किसी भी अस्पताल ने इलाज नहीं हो पाया। आखिरकार बच्चे ने तड़प-तड़पकर पिता की गोद में ही दम तोड़ दिया।

नि:संदेह, किशोर की मौत ने चिकित्सा तंत्र से लेकर सिस्टम को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। हाल के दिनों में कुत्ता काटने की घटनाओं में बेहताशा इजाफा हुआ है। रेबीज संक्रमण से फैली घटनाओं के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रेबीज टीके के स्टॉक की समीक्षा का उपक्रम किया है। उ.प्र. सरकार ने भी सभी जिलों के सीएमओ को इस बाबत आदेशित किया है। दरअसल, कड़वी सच्चाई से सभी वाकिफ होने के बावजूद कुत्ता काटने के बाद लोग लापरवाही बरतते हैं। नि:संदेह, कई मर्तबा तो अस्पतालों में रेबीज के इंजेक्शनों का भी टोटा रहता है। उस स्थिति में पीड़ित औने-पौने दामों में निजी अस्पतालों से रेबीज के टीके खरीदते हैं। चिकित्सकों की माने तो रेबीज के लगभग 97 फीसदी केस संक्रमित कुत्ते के काटने के कारण ही होते हैं। कुत्ता काटने के 72 घंटों के भीतर एंटी-रेबीज वैक्सीन अवश्य लगवाना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर पीड़ित रेबीज की चपेट में आ सकता है हालांकि, रेबीज अन्य जानवरों से भी फैलता है, लेकिन उनका संक्रमण उतना प्रभावी नहीं होता, जितना कुत्ते का होता है। बाकी जानवरों के काटने के बाद टीका न भी लगे, तब भी घबराने की आवश्यकता नहीं होती।

खुदा न खास्ता अगर कोई जहरीला जानवर या जंगली पशु-जानवर काटता भी है, तो उस घाव को साबुन से अच्छे से धोने से संक्रमण खत्म हो जाता है और खतरा भी टल जाता है। अहम सवाल है कि गली-मोहल्लों के कुत्ते हिंसक क्यों हो रहे हैं? इस समस्या को भी समझने की जरूरत है। दरअसल, इसका एक मुख्य कारण है कुत्तों के भूखे रहना। एक जमाना था जब घरों में बनने वाले खाने का पहला निवाला या पहली रोटी कुत्तों की होती थी। पर, आज कोई भी बेजुबान जानवरों को भोजन परोसना नहीं चाहता। कुत्ते जब एकदम खाली पेट होते हैं, तभी लोगों पर टूटते हैं। पार्क या गली में खेलने वाले बच्चों के हाथों अगर कुत्ते थोड़ी-सी भी खाने की वस्तु देख लें, तो पीछे पड़ जाते हैं, झपट्टा मारने से बाज नहीं आते। शहरी क्षेत्रों में आवासीय परिक्षेत्रों का टोटा है, घरों के आंगन सिमट गए हैं, जब आंगन होते थे, तब कुत्तों को लोग खाना डाल देते थे, तब कुत्ते भी एक कोने में बैठकर अपने हिस्से के खाने का इंतजार करते थे। खाने के बाद कुत्ते शांत हो जाते थे। लेकिन अब उनकी भूख इस कदर बढ़ गई है जिससे वह दिनों-दिन कटखने हो रहे हैं। जो पालतू कुत्ते घरों में कैद रहते हैं, रस्सियों से बंधे होते हैं और अन्य कुत्तों के मुकाबले और हिंसक हो जाते हैं। रस्सी छूटने भर की देर होती है, हमला करते देर नहीं करते।

बहरहाल, इस मसले पर गंभीरता से विचार करना होगा। घटना घटने पर सिर्फ कागजी प्रयासों के बूते ये विकराल समस्या नहीं सुलझने वाली। केंद्र या राज्य स्तर पर कोई कारगर नीति अपनानी होगी। कोई ऐसा आवासीय क्षेत्र नहीं बचा है जहां कुत्तों के झुंड न देखे जाते हों? गली, मोहल्ले, चौक-चौराहों पर अक्सर इनका झुंड रास्ता घेर बैठा होता है। कुछ महीने पहले दिल्ली में घटी घटना ने भी सबके रोंगटे खड़े कर दिए थे, जहां दो सगे भाइयों को कुत्तों ने मार डाला था। दिन छिपने के बाद आवारा जानवर और ज्यादा हिंसक हो जाते हैं। इनका गाड़ियों के पीछे भागना और तेजी से भौंकने के चलते कई बार लोग टकराकर दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं। घटनाएं हो जाने के बाद ही नगर निगम अधिकारियों की नींदें टूटती हैं और आवारा कुत्तों को पकड़ने का जोरशोर से अभियान चलाते हैं। अच्छी बात है ऐसा होना चाहिए, लेकिन घटना घटने के बाद ही प्रशासन को चेतना क्यों आती है?

वक्त की दरकार है कि पशु संरक्षण कानून का ख्याल रखते हुए, सख्त कदम उठाए जाएं। समस्या को सुलझाने के लिए सरकारी स्तर पर अब कोई न कोई कारगर नीति अपनानी ही होगी। पुरानी व्यवस्था को बदलना होगा, चाहे इसके लिए नए कानून बनें, या पूर्व के कानून को प्रभावी बनाया जाए। कटखने पशुओं को पकड़ कर शहरों से कहीं दूरदराज क्षेत्रों में ले जाकर सुरक्षित स्थान पर रखें। उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन दें। ताकि वे लोगों की जान पर खतरा न बन सकें।

कई बीमारियों से छुटकारा दिलाते हैं

भीगे अखरोट

सुपरफूड अखरोट सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह खाने में जितना फायदेमंद उतना ही गुणी भी होता है। इसको लोग कई तरह से खाते हैं। वैसे तो इसको आप किसी भी तरह से खा सकते हैं, लेकिन यदि आप इसको भिगोकर खाते हैं तो सेहत को दोगुना लाभ हो सकता है। दरअसल, अखरोट में नेचुरल कंपाउंड मौजूद होते हैं। ये कंपाउंड एंजाइम एक्टिविटी को रोकने का काम करते हैं। ऐसे में यदि आप अखरोट को भिगोकर खाते हैं तो इन कंपाउंड्स को बेअसर करने में मदद मिलती है। इसके अलावा, वो एंजाइम टूट जाएंगे, जो पाचन क्रिया में रुकावट पैदा करते हैं। अब सवाल है कि, भीगे अखरोट क्यों खाना चाहिए? कौन सी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है? शरीर में किन पोषक तत्वों की होती है पूर्ति?

इन पोषक तत्वों से होता है भरपूर

सूखे मेवे भिगोकर खाने की हमारी पुरानी परंपरा रही है। इसमें अखरोट को बेहद खास माना गया है। भीगे अखरोट को नियमित खाने से सेहत को ढेरों लाभ मिलते हैं। दरअसल, अखरोट हेल्दी फैट, प्रोटीन, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। या यूं कहें कि ये नट्स पोषक तत्वों का एक फुल पैकेज है। ऐसे में यदि आप भीगे अखरोट का सेवन करते हैं तो इंसुलिन सेंसिटिविटी पर काफी लाभकारी हो सकता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करने में मदद मिलती है।

दिल को हेल्दी रखे

एक्सपर्ट के मुताबिक, अखरोट सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। हालांकि इसको भिगोकर खाना अधिक फायदेमंद होता है। इसके नियमति सेवन से शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद मिलती है। दरअसर अखरोट में मौजूद पोषक तत्व ब्लड वेसल्स की कार्यक्षमता में सुधार करने में असरदार है।

एलर्जी से दिलाए राहत

अखरोट का सेवन शरीर की एलर्जी दूर करने में भी किया जा सकता है। लेकिन इसके खाने का तरीका बदलना अधिकर फायदेमंद रहेगा। बता दें कि, ड्राई अखरोट को पचाना काफी मुश्किल लगता है और इसके सेवन से कुछ लोगों में एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है। ऐसे में भीगे हुए अखरोट एलर्जी को दूर करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

हड्डियों को स्ट्रॉन्ग बनाए

अखरोट का सेवन हड्डियों के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। एक्सपर्ट इसको जोड़ों आदि के दर्द में भी खाने की सलाह देते हैं। बता दें कि, अखरोट में मौजूद पोषक तत्व हड्डियों को लंबे समय तक क्रियाशील बनाए रखते हैं। इसके अलावा, यदि कोई जोड़ों आदि के दर्द से भी परेशान है तो उनका भी इसका सेवन करना चाहिए।

पाचन तंत्र सुधारे

अखरोट कैलोरी का अच्छा स्रोत होता है। ऐसे में इसके नियमित सेवन से बॉडी के वेट मैनेजमेंट में मिलती है। बता दें कि, अखरोट प्रोटीन, हेल्दी फैट और फाइबर से भरपूर होने की वजह से यह सेहत के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। यदि आप भीगे अखरोट का सेवन करते हैं तो पाचनशक्ति को बढ़ावा मिलेगा, जिससे पाचन तंत्र दुरुस्त होगा।

शरीर को रखे फिट

सुपरफूड में शुमार अखरोट शरीर की कई परेशानियों को दूर करने की क्षमता रखता हैं। खासतौर पर शरीर को फिट बनाए रखने में। दरअसल, यदि आप भीगे हुए अखरोट का सेवन करते हैं तो इससे न केवल एनर्जी बढ़ती है, बल्कि फिटनेस और वेलबीइंग को बनाए रखने में भी मदद मिल सकती है।

हंसना मना है

पत्नी: अगर मैं खो गई तो तुम क्या करोगे? पति- मैं अखबार में इश्तिहार दूंगा पत्नी: तुम कितने अच्छे हो। क्या लिखोगे? पति: जहां भी रहो खुश रहो।

चिंटू (पिंटू से): पूरी जिंदगी निकली जा रही है इसी इंतजार में, कभी कोई टीचर मिलेगा तो एक बात उनसे जरूर पूछूंगा। चिंटू: क्या? पिंटू: ये साइन थीटा, कॉस थीटा और टैन थीटा का यूज लाइफ में कब और कैसे करना है?

पोता: दादी आपने कौन-कौन से देश घूमे हैं? दादी: अपना पूरा हिंदुस्तान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उजबेकिस्तान। पोता: दादी अब कहां घूमोगी? पीछे से छोटा पोता बोला... कब्रिस्तान...

टीचर (रमेश से): अच्छा ये बताओ कि दुनिया में कितने देश हैं? रमेश- अरे मैम आप भी ये कैसी बात कर रही हैं। दुनिया में तो बस एक ही देश है, हमारा देश भारत। बाकी तो सब विदेश हैं।

पड़ोसन: बहन, नया हार तो बहुत अच्छा है, कितने का पड़ा है दूसरी महिला: ज्यादा नहीं, दो दिन की लड़ाई, एक दिन की भूख हड़ताल, 2 दिन का मौन व्रत और बस थोड़ा रोना धोना। पड़ोसन: अभी अपने पति से रूठ जाती हूं।

कहानी | खटमल और बेचारी जूं

एक राजा के शयनकक्ष में मंदरीसर्पिणी नाम की जूं ने डेरा डाल रखा था। रोज रात को जब राजा जाता तो वह चुपके से बाहर निकलती और राजा का खून चूसकर फिर अपने स्थान पर जा छिपती। संयोग से एक दिन अग्निमुख नाम का एक खटमल भी राजा के शयनकक्ष में आ पहुंचा। जूं ने जब उसे देखा तो वहां से चले जाने को कहा। उसने अपने अधिकार-क्षेत्र में किसी अन्य का दखल सहन नहीं था। लेकिन खटमल भी कम चतुर न था, बोला, ''देखो, मेहमान से इसी तरह बर्ताव नहीं किया जाता, मैं आज रात तुम्हारा मेहमान हूं।'' जूं अततः खटमल की चिकनी-चुपड़ी बातों में आ गई और उसे शरण देते हुए बोली, ''ठीक है, तुम यहां रातभर रुक सकते हो, लेकिन राजा को काटोगे तो नहीं उसका खून चूसने के लिए।'' खटमल बोला, ''लेकिन मैं तुम्हारा मेहमान है, मुझे कुछ तो दोगी खाने के लिए। और राजा के खून से बढ़िया भोजन और क्या हो सकता है।'' ''ठीक है।'' जूं बोली, ''तुम चुपचाप राजा का खून चूस लेना, उसे पीड़ा का आभास नहीं होना चाहिए।'' ''जैसा तुम कहोगी, बिलकुल वैसा ही होगा।'' कहकर खटमल शयनकक्ष में राजा के आने की प्रतीक्षा करने लगा। रात ढलने पर राजा वहां आया और बिस्तर पर पड़कर सो गया। उसे देख खटमल सबकुछ भूलकर राजा को काटने लगा, खून चूसने के लिए। ऐसा स्वादिष्ट खून उसने पहली बार चखा था, इसलिए वह राजा को जोर-जोर से काटकर उसका खून चूसने लगा। इससे राजा के शरीर में तेज खुजली होने लगी और उसकी नींद उचट गई। उसने क्रोध में भरकर अपने सेवकों से खटमल को ढूंढकर मारने को कहा। यह सुनकर चतुर खटमल तो पलंग के पाए के नीचे छिप गया लेकिन चादर के कोने पर बैठी जूं राजा के सेवकों की नजर में आ गई। उन्होंने उसे पकड़ा और मार डाला।

सीख- हमें अजनबियों की चिकनी-चुप?ी बातों में आकर उनपर भरोसा नहीं करना चाहिए अपितु उनसे सावधान ही रहना चाहिए।

7 अंतर खोजें

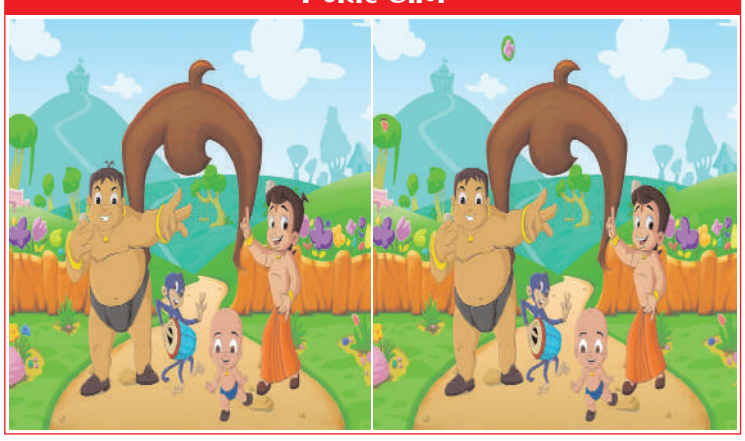

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है।

वृषभ

यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है।

मिथुन

कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कर्क

व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें।

सिंह

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा।

कन्या

मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

तुला

मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा।

वृश्चिक

व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें।

धनु

मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

मकर

कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे।

कुम्भ

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

मीन

नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं।

बड़े पर्दे पर फिर रोमांस करेंगे अक्षय कुमार-शिल्पा शेट्टी

बॉलीवुड में इन दिनों हिट फिल्मों के सीक्वल का दौर शुरू हो गया है। जवान और पठान जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के बीच गदर 2, ओएमजी 2 और ड्रीम गर्ल 2 जैसी फिल्में ऑडियंस के दिलों के में अपनी जगह बना पाने में कामयाब रहीं।

सीक्वल फिल्मों की सक्सेस देख कई और फिल्ममेकर्स अपनी-अपनी फिल्मों के सीक्वल को बनाने में तैयारी में लग गए हैं। बॉक्स ऑफिस पर फुकरे, यारियां और वेलकम फिल्मों का सीक्वल आना बाकी है। इस बीच एक और फिल्म का सीक्वल बनने की जानकारी सामने आई है।

अक्षय कुमार ने इस साल ओएमजी-2 से लोगों का मनोरंजन किया। उनकी झोली में वेलकम-3 भी है। अब खबर है कि साल 2000 की ब्लॉकबस्टर ड्रामा फिल्म धड़कन भी सीक्वल के लिए रेडी है।

डीएनए की रिपोर्ट के मुताबिक, डायरेक्टर धर्मेश दर्शन ने बताया कि उन्हें प्रोड्यूसर रतन जैन ने धड़कन-2 के लिए अप्रोच किया है। उन्होंने कहा- लोग उस तरह के काम को मिस करते हैं, जो मैंने किए हैं और ये बात मुझे खुशी देती है। राजा हिंदुस्तानी (1996) फिल्म के अलावा लोग अगर किसी फिल्म के बारे में मुझसे पूछते हैं, तो वह धड़कन है और क्या मैं इसका सीक्वल बनाऊंगा।

धर्मेश ने बताया कि उन्हें करीब एक दशक से धड़कन फिल्म का सीक्वल बनाने के लिए कहा जा रहा है। लेकिन वह खुद ही नहीं आगे बढ़ना चाह रहे थे।

उन्होंने कहा, मैं श्योर नहीं था क्योंकि धड़कन फिल्म क्लासिक है। ये बिलकुल वही बात है कि कभी-कभी (1976) का दूसरा पार्ट बनाना। उन्होंने कहा कि गदर-2 की सक्सेस देख उन्हें धड़कन 2 के हिट होने का कॉन्फिडेंस आया है। धर्मेश ने बताया कि 10-15 दिन पहले फिर से उन्हें धड़कन-2 ऑफर की गई थी

गदर-2 की तरह धड़कन-2 में भी लीड स्टार कास्ट पुरानी वाली होगी या नई, इस पर भी धर्मेश ने खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि कास्टिंग को लेकर उन्होंने अभी कोई फैसला नहीं किया है। मगर फिल्म में कुछ नए लोग कास्ट किए जा सकते हैं।

वृंदावन की सैर कराने निकलीं 'मीरा'

बड़े पर्दे पर साल 1979 में रिलीज हुई गुलजार की फिल्म 'मीरा' में शीर्षक रोल करने वाली अभिनेत्री व सांसद हेमा मालिनी ने अब अपने संसदीय क्षेत्र मथुरा के पौराणिक नगर वृंदावन के बारे में दुनिया भर में प्रचार प्रसार करने की ठानी है। इसके लिए उन्होंने गहन शोध के बाद एक कॉफी टेबल बुक तैयार कराई है, जिसका विमोचन करने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर खास तौर से पधारे। इस मौके पर शत्रुघन सिन्हा, जितेंद्र, रंजीत, जैकी श्रॉफ, ईशा देओल जैसे सितारों के अलावा निर्देशक अनिल शर्मा और रमेश सिप्पी की उपस्थिति ने इस शाम को खास बना दिया।

हेमा मालिनी ने बताया कि वह इस पुस्तक के द्वारा वृंदावन, इसके इतिहास, मंदिरों को दुनिया भर में प्रचार करना चाहती हैं। यह कॉफी टेबल बुक वृंदावन की यात्रा करने और इसके इतिहास को जानने के लिए एक मार्गदर्शक है।

मथुरा-वृंदावन के मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों के चित्रों के साथ पुस्तक चल मन वृंदावन में पूरे बृज, गोवर्धन, नंदगांव, बरसाना, मथुरा और आसपास के 84 कोस के बारे में पूरी जानकारी मौजूद है जिसे काफी शोध के बाद तैयार किया गया है।

पुस्तक 'चल मन वृंदावन' का संपादन अशोक बंसल ने किया है और इसे हरिवंश चतुर्वेदी ने प्रकाशित किया है। 250 पन्ने की यह किताब हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है।

इस अवसर के लिए बनाया गया एक खास गीत भी दिखाया गया जिसका संगीत विवेक प्रकाश ने संगीत दिया है और इसमें स्वर कविता कृष्णमूर्ति व स्वयं विवेक प्रकाश के हैं। साथ ही यहां वृंदावन फैशन शो भी हुआ जिसमें हेमा मालिनी शो स्टॉपर रहीं। हेमा मालिनी के स्टेज पर आते ही पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

बॉलीवुड | वादा-खिलाफी

हॉलीवुड में काम करने का मुझे कोई प्रलोभन नहीं : करीना कपूर

करीना कपूर खान जाने जां के साथ अपना ओटीटी डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेत्री इन दिनों अपनी आगामी फिल्म के प्रचार में व्यस्त हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार के दौरान अपने हॉलीवुड डेब्यू की योजनाओं के बारे में खुलकर बात की। करीना कपूर खान हॉलीवुड में इंडस्ट्री में काम करने की अपनी योजना के बारे में बात करते हुए कहा, मुझे कोई प्रलोभन नहीं है, क्योंकि मैं यहां काम करने में बहुत व्यस्त हूं। साथ ही, मैं दो बच्चों की मां हूं, इसलिए मुझे उन्हें समय देना पड़ता है। वे अभी बहुत छोटे हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि क्या दो बच्चों की मां होने के कारण उन्हें जाने जां में मां की भूमिका निभाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, मैं पहले भी रा वन में मां का किरदार निभा चुकी हूं। मैं वास्तव में अपने निजी जीवन को अपने काम से नहीं जोड़ती हूं, यह बहुत अलग है। हां, हो सकता है कि कोई वास्तविक मां जैसा काम हो जाता हो। मैं एक वास्तविक मां के रूप में मैं जो कुछ भी करती हूं उसे रील लाइफ में अपनाने प्रयास नहीं करती हूं, लेकिन अवचेतन में ऐसा हो सकता है। बता दें कि इससे पहले अभिनेत्री ने जाने जां की शूटिंग शुरू करने से पहले सैफ अली खान की सलाह पर खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा था, जयदीप और विजय हमेशा तैयार रहते थे। सैफ ने मुझे यह पहले ही बता दिया था। सैफ ने मुझसे कहा था कि इस रवैये को मिटा दो। उन्होंने मुझसे कहा कि वे बेहद प्रतिभाशाली हैं और उनमें संवादों को बेहतर बनाने की क्षमता है। इस दौरान करीना ने आगे कहा था, जयदीप हमेशा काम में बहुत तैयार और संयमित रहते थे। विजय भी कुछ हद तक मेरे जैसा ही है, वह सेट पर हंसते और मजाक करते रहते थे, लेकिन उनका हर सीन एक दूसरे से अलग होता था। वह एक विचारशील व्यक्ति हैं। सेट पर उस माहौल में रहने के कारण मैं भी हमेशा तैयार रहती थी। मेरा यह भी मानना है कि सेट पर एक अभिनेता को हमेशा अन्य अभिनेताओं से खतरा होना चाहिए, अन्यथा इसका कोई फायदा नहीं होगा।

पंचायती राज विभाग का गजब कारनामा टॉयलेट में एक साथ लगा दीं चार सीटें

अमेठी। यूपी के अमेठी जिले में एक अजब-गजब मामला सामने आया है। दरअसल, स्वच्छ भारत मिशन के तहत सामुदायिक शौचालय का निर्माण हर ग्राम पंचायत में करवाया गया है। लेकिन यहां एक शौचालय की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वायरल होने की वजह है एक ही जगह पर कई सीटें लगाई जानाज्यहां पर प्राइवेसी की कोई व्यवस्था नहीं है एक साथ कई लोग अलग बैठकर टॉयलेट कर सकते हैं।

दरअसल, पूरा मामला जगदीशपुर विकासखंड के कटेहटी गांव का है। यहां करीब 4 साल पहले सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया था। जिसके निर्माण में लाखों रुपए खर्च किए गए। लेकिन सामुदायिक शौचालय में एक टॉयलेट में बिना पार्टीशन के 4 सीटें लगा दी गई हैं। जरा सोचिए एक कमरे में एक साथ कई लोग शौच के लिए जायेंगे तो उनकी निजता क्या रहेगी। अब ये सामुदायिक शौचालय चर्चा का विषय बना हुआ है। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं वीडियो वायरल होने के बाद मौके पर जाकर खंड विकास अधिकारी ने शौचालय की जांच की और शौचालय को सही ठहराया। ग्रामीण अयोध्या प्रसाद मिश्र ने बताया कि यह शौचालय 4 वर्ष पहले बना था और इस शौचालय में आने जाने के लिए रास्ता नही है। आज जब यह शौचालय का मामला सुर्खियों में आया तो यहां के खंड विकास अधिकारी ने इसकी जांच की। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि इस तरह शौचालय सब जगह बना हुआ है। इस शौचालय पर अव्यवस्था जरूर है जिसे यहां पर बिजली पानी की दिक्कत है। जिसको विभागीय अधिकारियों को दूर करना चाहिए। वहीं जिला पंचायत राज अधिकारी ने पूरे मामले पर कमरे पर बोलने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि शौचालय की जांच की जाएगी उसके बाद ही कुछ बोलना संभव है।

अजब-गजब | शायद ही जानते होंगे आप ये बड़ा कारण

आखिर सीधा क्यों नहीं होता टेलीफोन का तार

टेलीफोन पर बात करते वक्त आपने कई बार उसके लच्छेदार तार को अपनी उंगलियों में घुमाया होगा। टेलीफोन के तारों का काम भी वही है, जो बाकी अन्य तारों का होता है, बिजली सप्लाई करना, तो फिर उन्हें अन्य तारों की तरह सीधा क्यों नहीं बनाया जाता? टेलीफोन्स के तार कर्ल करने के पीछे एक बड़ा कारण है, जिसके बारे में शायद ही आप जानते होंगे। चलिए आपको बताते हैं। दशकों से कॉइल तारों का इस्तेमाल लोग कर रहे हैं। इन तारों को आमतौर पर टेलीफोन्स में ही देखा जाता है। कॉइल तार केवल लैंडलाइन फोन के लिए नहीं हैं। उनके काम करने का तरीका ऐसा है कि वो कई तरह की अलग-अलग इंडस्ट्रीज में भी उपयोग में आते हैं। कई अन्य प्रकार के तारों के विपरीत, कॉइल्ड तारों का डिज़ाइन ऐसा होता है कि ये ज्यादा सुरक्षित होते हैं।

इनमें सुरक्षा के लिए तारों को प्लास्टिक इन्सुलेशन में कोटिंग करने की सावधानीपूर्वक प्रक्रिया शामिल है। फिर उन तारों को एक विशेष प्लास्टिक में ढक दिया जाता है जिसे स्प्रिंग या कॉइल में बनाया जा सकता है। इस बिंदु पर वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए केबल को कॉइल किया जाता है और विभिन्न तरीकों से ताप उपचार किया जाता है। विशेष प्रक्रिया के कारण जिसके द्वारा डोरियों को कॉइल किया जाता है, तार आवश्यकतानुसार खिंच सकते हैं, बिना अंदर रखे तारों पर अनावश्यक घिसाव के। अक्सर टेलीफोन्स पर बात करते हुए लोग उसके रिसीवर को फोन से दूर खींच ले जाते हैं। कॉइल तार ज्यादा फ्लेक्सिबल होते हैं, इस वजह से ये आसानी से दूर तक खिंच जाते हैं। इसके अलावा जब रिसीवर को दोबारा फोन पर रखा जाता है तो ये तार फिर से अपना ओरिजनल शेप ले लेते हैं। इस तरह ये जगह भी कम उपयोग करते हैं। अगर कॉइल तारों के बराबार, पतले तारों का इस्तेमाल किया जाता, तो उतने लंबे तार फोन के पास फैले रहते और उन्हें समेटना मुश्किल होता। कॉइल तार मुड़कर अपनी जगह पर चले जाते हैं। सीधे तारों में गांठ पड़ने या फिर टूट जाने का खतरा ज्यादा होता है। कॉइल तारों को इस्तेमाल इंटरनेट सिग्नल, डाटा ट्रांसफर में भी होता है।

एमबीए चायवाला के आपत्तिजनक वीडियो हटाने का दिया हाईकोर्ट ने आदेश

» प्रफुल्ल दुनिया भर में हैं फेमस, एमबीए चाय वाला ने बनायी है देश भर में अपनी खास पहचान

» प्रफुल्ल को बदनाम करना चाहते थे कुछ लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एमबीए चायवाला को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने एमबीए चाय वाला को लेकर यूट्यूब चैनल्स पर चल रहे आपत्तिजनक वीडियोज को हटाने का निर्देश दिया है। बता दें कि एमबीए चायवाला के मालिक प्रफुल्ल बिल्लौरे ने दिल्ली हाईकोर्ट में 9 यूट्यूब चैनल्स के खिलाफ एक याचिका दायर की थी। जिसमें कहा गया था कि 9 यूट्यूब चैनलों ने उनकी कंपनी के नाम से गलत व आपत्तिजनक वीडियो जारी किए हैं। इनमें वीडियोज में कई गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं, जो कि सरासर गलत व झूठे हैं। ऐसे में इन वीडियोज से कंपनी को नुकसान पहुंच रहा है। इसलिए इन वीडियोज को हटाया जाए। अब कोर्ट ने इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए एमबीए चायवाला और प्रफुल्ल बिल्लौरे को बड़ी राहत दी है। मामले की अगली सुनवाई अब फरवरी में होनी है।

देश में 100 से भी ज्यादा हैं कंपनी की फ्रेंचाइजी

बता दें कि प्रफुल्ल बिल्लौरे ने इंदौर से एमबीए चायवाला के नाम से एक स्टार्ट अप शुरू किया है। कंपनी को से बताया गया था कि कंपनी ने देश में 100 फ्रेंचाइजी खोली है। जिनमें से दिल्ली में भी 12 फ्रेंचाइजी हैं। दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए कहा गया था कि यूट्यूब पर एमबीए चायवाला के ब्रांड के खिलाफ कुछ चैनल लगातार वीडियो अपलोड कर रहे थे। वीडियो में कहा जा रहा था कि यह ब्रांड पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है। प्रफुल्ल की ओर से ये भी कहा गया था कि इन बातों की वजह से मुझे बिजनेस में भी कई जगह नुकसान उठाना पड़ा। बिना किसी आधार के कई यूट्यूबर्स ने वीडियो बनाए और यह वायरल होने लगे। हमने सीधे भी कई यूट्यूबर्स को समझाया, लेकिन वीडियो वायरल होने के चलते उन्होंने वीडियो नहीं हटाए। अंत में हमें हाईकोर्ट की मदद लेना पड़ी। याचिका दायर होने के बाद कोर्ट ने पहले सुनवाई में कहा था कि सभी यूट्यूबर तुरंत यह वीडियो हटाएं और आगे से भी इस बात का ध्यान रखें कि बिना किसी आधार के किसी के खिलाफ इस तरह के वीडियो पब्लिश न करें।

कोर्ट ने सभी पक्षकारों को सुनने के बाद यू-ट्यूब चैनल संचालक और यू-ट्यूब को आदेश दिया कि याचिकाकर्ता से जुड़ी सामग्री 72 घंटे के भीतर इंटरनेट मीडिया से हटा लें। इन वीडियोज से उनकी प्रतिष्ठा और ब्रांड को नुकसान पहुंच रहा। इससे पहले कोर्ट की ओर से कुछ यूट्यूब चैनलों को नोटिस दिया गया था। जिसके बाद कुछ चैनल्स की ओर से बताया गया कि संबंधित वीडियो हटा दिए गए हैं। कोर्ट ने अन्य चैनलों को भी संबंधित वीडियो को हटाने का निर्देश देते हुए तलब किया है।

आप सबको मूर्ख बना सकते हैं पर अंतरात्मा को नहीं : सीजेआई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने वकालत और अपने पेशे पर बोलते हुए कहा कि हमारा पेशा फलना-फूलना जारी रखेगा या विनाश कर लेगा, यह इस पर निर्भर करेगा कि हम अपनी सत्यनिष्ठा को बरकरार रखते हैं या नहीं। सीजेआई ने कहा कि सत्यनिष्ठा और ईमानदारी कानूनी पेशे का मूल है। आप पूरी दुनिया को मूर्ख बना सकते हैं, पर अपनी अंतरात्मा को नहीं।

मुख्य न्यायाधीश ने कानूनी प्रणाली को मजबूती देने की दिशा में वकीलों और न्यायाधीशों के बीच सहयोग बढ़ाने के विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। सीजेआई ने कहा कि ईमानदारी किसी आंधी से नहीं, बल्कि छोटी-छोटी रियायतों और समझौतों से मिटती है, जो वकीलों और न्यायाधीशों द्वारा किए जाते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अंतरात्मा हर रात हमसे सवाल करती है। वकीलों को तब सम्मान मिलता है जब वे न्यायाधीशों का सम्मान करते हैं और न्यायाधीशों को तब सम्मान मिलता है जब वे वकीलों का सम्मान करते हैं और परस्पर सम्मान तब होता है जब यह एहसास होता है कि दोनों एक ही न्याय चक्र का हिस्सा हैं।

एकनाथ शिंदे ने विपक्ष को बताया भेड़-बकरी, कहा- शेर हैं पीएम मोदी

» सीएम बोले- विपक्ष नहीं दे पा रहा टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। प्रधानमंत्री मोदी को लेकर विपक्ष द्वारा की गई टिप्पणियों पर सीएम एकनाथ शिंदे ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दल केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने के बारे में सोचते हैं, लेकिन भेड़-बकरियां जंगल में शेर के खिलाफ लड़ाई नहीं लड़ सकतीं। यहां शिंदे ने पीएम मोदी को शेर तक कह डाला।

शिंदे ने कहा कि मैं विपक्षी दलों को गिद्ध नहीं कहूंगा, लेकिन भेड1-बकरियां जंगल में शेर के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए एक साथ नहीं आ सकतीं। उन्होंने कहा कि शेर हमेशा शेर होता है और वही जंगल पर राज करेगा।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को चुनौती देने के लिए विपक्षी दलों के एक साथ आने के बारे में एकनाथ शिंदे ने कहा कि वह केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने के बारे में सोचता है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि कहीं भी विपक्ष टक्कर दे रहा है। महाराष्ट्र में एनडीए गठबंधन की स्थिति पर शिंदे ने कहा कि अजित पवार के हमारे साथ आने के बाद हमें 215 से अधिक विधायकों का समर्थन प्राप्त है। सरकार को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना कहा कि हम लोगों के लिए काम कर रहे हैं। लोग तय करेंगे कि वे कैसे व्यक्ति को चाहते हैं, जो उनके लिए काम करता है या जो केवल घर पर बैठता है।

ईडी बेवजह नहीं करता किसी को परेशान

विपक्षी खेमे के नेताओं को निशाना बनाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का इस्तेमाल किए जाने के आरोपों पर शिंदे ने कहा कि ईडी उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करता है, जिन पर भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त होने का संदेह है। यह किसी को यूं ही परेशान नहीं करता है।

जनता के सामने लाना होगा भाजपा का भ्रष्ट चेहरा : स्टालिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा का भ्रष्ट चेहरा जनता के सामने उजागर होना चाहिए।

कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए स्टालिन ने कहा कि इस लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन की जीत होनी चाहिए। इसके लिए आप सभी को कड़ी मेहनत करनी होगी। भाजपा पर जमकर निशाना साधते हुए स्टालिन ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में भाजपा शासन ने केवल लोगों को दुख दिया है। डीएमके की ओर से पिछले कुछ दिनों से लगातार भाजपा पर हमला बोला जा रहा है। इससे पहले हिंदी दिवस पर भी डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने भी केंद्रीय मंत्री अमित शाह के उस बयान की निंदा की थी जिसमें हिंदी दिवस पर उन्होंने कहा था कि हिंदी भारत में विभिन्न भाषाभासी लोगों को एकजुट करती है। स्टालिन ने सोशल मीडिया पर तमिल में एक पोस्ट कर कहा था कि अमित शाह कहते हैं कि हिंदी देश के लोगों को एकजुट करती है और क्षेत्रीय भाषाओं को सशक्त बनाती है।

मोनू मानेसर का गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई से कनेक्शन आया सामने

» लॉरेंस के गैंग में शामिल होना चाहता था गौरक्षक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। मोनू मानेसर के मामले में अब नया खुलासा हुआ है। आरोपी मानेसर का का कनेक्शन कुख्यात बदमाश लॉरेंस बिश्नोई के साथ सामने आया है। मोनू मानेसर और लॉरेंस बिश्नोई की बातचीत का वीडियो वायरल हुआ है। 38 सेकेंड के इस वीडियो में दोनों वीडियो कॉल पर बात कर रहे हैं, लेकिन ये वीडियो कितना पुराना और इसमें क्या बात हो रही है, ये अभी साफ नहीं हो पाया है।

वीडियो में आवाज नहीं है लेकिन एक बात तो साफ हो गई है कि मोनू मानेसर देश के सबसे बड़े गैंगस्टर नेटवर्क तक अपनी पहुंच बना रहा था। लॉरेंस के साथ एक अन्य बदमाश राजू बासोदी भी वीडियो में दिख रहा है। सूत्रों का दावा है कि मोनू मानेसर गैंग में शामिल होकर पूरे हरियाणा को संभालने की फिराक में था।

हरियाणा पुलिस ने किया था गिरफ्तार

उधर, गैंगस्टर्स कनेक्शन सामने आने के बाद हरियाणा पुलिस के साथ-साथ खुफिया एजेंसी भी सतर्क हो गई हैं। मोनू मानेसर पर राजस्थान में नासिर और जुनैद हत्याकांड में साजिश रचने का आरोप है। साथ ही नूंह में भड़की हिंसा के पीछे विवादास्पद वीडियो जारी करने का आरोप है। बता दें कि हरियाणा पुलिस ने मोनू मानेसर को 12 सितंबर को गिरफ्तार किया था। उस पर 31 जुलाई को नूंह में हुई हिंसा से पहले सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने का केस दर्ज है। नूंह पुलिस ने उसे गुरुग्राम में मानेसर के मार्केट से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी से कुछ दिन पहले ही मोनू ने लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई से सिग्नल एप के माध्यम से चैटिंग की थी। आशंका जताई जा रही है कि अनमोल से हुई चैटिंग के बाद लॉरेंस बिश्नोई से वीडियो कॉल पर बात हुई है। खुफिया एजेंसियों का दावा है कि नूंह हिंसा में नाम आने के बाद मोनू मानेसर पूरे हरियाणा समेत अन्य राज्यों में चर्चित हो गया था। इसलिए अब वह बड़े गैंगस्टर लॉरेंस का संरक्षण चाहता था।

सिराज का कहर, भारत बना एशिया कप चैंपियन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» फाइनल में श्रीलंका को हराकर टीम इंडिया ने 8वीं बार जीता खिताब

» मोहम्मद सिराज ने झटके सात ओवर में छह विकेट

नई दिल्ली। रविवार यानी 17 सितंबर को श्रीलंका के कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए एशिया कप के फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने श्रीलंका को उसी के होम ग्राउंड में धूल चटाते हुए एशिया कप के अपने 8वें खिताब पर कब्जा जमाया। मोहम्मद सिराज की कहर बरपाती गेंदबाजी की बदौलत भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका को 50 रन के स्कोर पर सिमेट कर, महज 6 ओवरों में ही लक्ष्य को हासिल करते हुए 10 विकेट से जीत हासिल कर ली। इसके बाद साथ ही भारत ने एक बार फिर एशिया कप में अपनी बादशाहत कायम कर ली।

श्रीलंका की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस ने सबसे ज्यादा 17 रन बनाए। जबकि दुशान हेमंथा ने 13 रन बनाए। इनके अलावा कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। जबकि 5 बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके। भारतीय टीम की ओर से सिराज के 6 विकेट के अलावा हार्दिक पंड्या ने 2.2 ओवर में 3 रन देकर 3 विकेट लिए। जबकि जसप्रीत बुमराह को 1 सफलता मिली।

'मियां मैजिक' के आगे लंका ने टेके घुटने

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के मियां मैजिक आगे श्रीलंका की टीम ताश के पत्तों की तरह बिखरती नजर आई। सिराज की कहर बरपाती गेंदबाजी के आगे श्रीलंकाई टीम 15.2 ओवर ही खेल सकी और 50 रनों पर आकर सिमट गयी। यह वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट इतिहास में किसी भी टूर्नामेंट के फाइनल में सबसे छोटा स्कोर रहा है। यह शर्मनाक रिकॉर्ड अब श्रीलंका के नाम दर्ज हो गया है। श्रीलंका की पारी के चौथे ओवर में ही महोम्मद सिराज ने पूरा मैच ही पलट दिया। सिराज ने अपने एक ही ओवर में श्रीलंका के 4 बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखा दी।

ढाई घंटे चले मैच में भारत की 10 विकेट से जीत

51 रनों के टारगेट के जवाब में भारतीय टीम की ओर से ईशान किशन और शुभमन गिल ओपनिंग में मोर्चा संभाला था। कप्तान रोहित शर्मा इस बार बैटिंग के लिए नहीं उतरे। ईशान और गिल ने नाबाद रहते हुए टीम को 10 विकेट से हराया। मैच में गिल 27 और ईशान 23 रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय टीम ने 6.1 ओवर में ही मैच जीत लिया। यह मैच करीब ढाई घंटे ही चला।

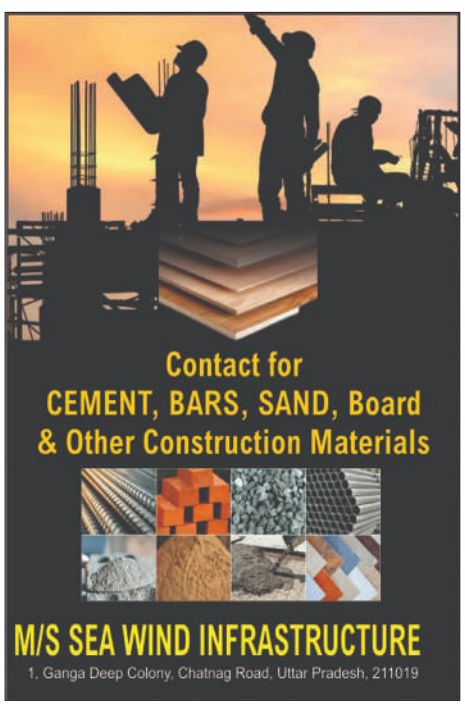

चुनावी योजनाएं लाकर जनता को छलना चाहती है भाजपा : कमलनाथ

» बीजेपी की घोषणाओं को बताया 'जुमलों का महाकाव्य'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। विधानसभा चुनाव को लेकर मध्य प्रदेश में सियासी पारा काफी हाई बना हुआ है। प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारियां जोरो पर हैं। सभी दल अपनी-अपनी योजनाओं पर काम कर रहे हैं। तो वहीं दूसरी ओर नेताओं के बीच एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी लगातार जारी है। भाजपा-कांग्रेस समेत राज्य के सियासी दल अपने-अपने हिसाब से सीटों के समीकरण बिठाने को लेकर जनता के बीच पहुंचने में जुटे हैं। इस दौरान नेताओं के बीच जारी जुबानी हमलों के बीच प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और एमपी कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने शिवराज सरकार पर जमकर हमला बोला है साथ ही भारतीय जनता पार्टी पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने शिवराज सरकार की 'मुख्यमंत्री लाडली बहना आवास योजना' को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि छीन लिए हैं जिन्होंने छप्पर, क्या भरोसा जन का उन पर। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अपने शासनकाल की अंतिम तिमाही में 'मुख्यमंत्री लाडली बहना आवास योजना' जैसी चुनावी योजनाएं लाकर जनता को छलना चाहती है। जिस बीजेपी ने बेकारी, बेरोजगारी, महंगाई से न जाने कितने घर उजाड़ दिए हैं, वो किस मुंह से आवास की बात कर रहे हैं। घोषणाओं को लेकर बीजेपी उपहास का विषय बन गई है। कमलनाथ ने कहा कि भाजपा की हर घोषणा 'जुमलों के महाकाव्य' में एक नया अध्याय बनकर जुड़ जाती है।

इस बार दिखेगा कमलनाथ का 2023 वाला मॉडल

शिवराज सरकार द्वारा कथित भ्रष्टाचार को लेकर किए गए सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने करारा जवाब देते हुए कहा कि हमारी 15 महीने की सरकार में तो मुझे समय नहीं मिला, लेकिन अब कमलनाथ 2018 का मॉडल नहीं बल्कि 2023 का मॉडल हूं। दरअसल, कमलनाथ ने ये सवाल किया गया था कि अगर कांग्रेस की सरकार बनती है तो शिवराज सरकार के खिलाफ एसआईटी का गठन करेंगे। इसी सवाल का जवाब देते हुए कमलनाथ ने ये बात कही। दरअसल, कमलनाथ इस जवाब के जरिए ये इशारों-इशारों में ये बताना चाहते हैं कि अगर प्रदेश में उनकी सरकार बनती है तो शिवराज सरकार के खिलाफ कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच करेंगे।

बच्चों से निजी अंगों के नाम पूछना वामपंथी परिवेश का हमला : भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने यह पता लगाने की शैक्षणिक कवायद को वामपंथी परिवेश का हमला करार दिया कि क्या केजी (किंडरगार्टन) के छात्र अपने निजी अंगों के बारे में जानते हैं। आरएसएस चीफ पुणे में एक मराठी पुस्तक 'जगाला पोखरणारी डावी वालवी' के विमोचन के मौके पर बोल रहे थे।

इस दौरान भागवत ने कहा कि मैं गुजरात में एक स्कूल में गया था, जहां एक विद्वान ने मुझे एक किंडरगार्टन (केजी) स्कूल का निर्देश दिखाया। इसमें कहा गया था कि टीचर्स को यह पता लगाने के लिए कहा गया है कि क्या केजी-2 के बच्चे अपने निजी अंगों के नाम जानते हैं। वामपंथी परिवेश का हमला यहां तक पहुंच गया है और यह लोगों की मदद के बिना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति की सभी पवित्र चीजों पर ऐसे हमले किए जा रहे हैं। अपनी बात को रखते हुए आरएसएस प्रमुख ने आगे कहा कि अमेरिका में ट्रंप के बाद नई सरकार बनने के बाद पहला आदेश स्कूल से संबंधित था, जिसमें शिक्षकों से कहा गया था कि वे छात्रों से उनके लिंग के बारे में बात न करें।

बोले- हमारी संस्कृति की पवित्र चीजों पर लगातार हो रहे हमले

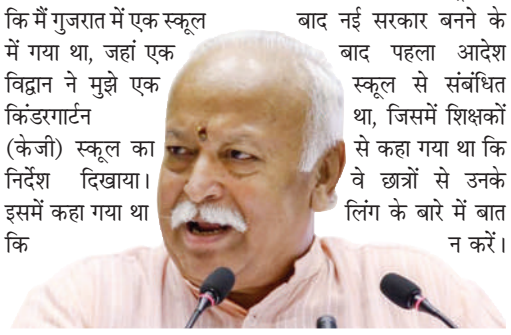

फोटो : 4पीएम

शपथ ग्रहण समारोह

घोसी उपचुनाव में नव निर्वाचित विधायक सुधाकर सिंह को शपथ दिलाते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना। इस अवसर पर उनके साथ सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम व राजेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे।

लखीमपुर मामले की जांच कर रही एसआईटी को सुप्रीम कोर्ट ने किया भंग

» कोर्ट ने कहा- जरूरत पड़ी तो फिर पारित किया जाएगा आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखीमपुर। लखीमपुर में किसानों की हत्या और हिंसा मामले की जांच कर रही एसआईटी को सुप्रीम कोर्ट ने अब भंग कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच पूरी हो चुकी है और मुकदमा चल रहा है। इस दौरान सर्वोच्च अदालत ने एसआईटी जांच की निगरानी कर रहे हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज राकेश कुमार जैन को भी निगरानी के काम से मुक्त कर दिया है। गौरतलब है कि 3 अक्टूबर 2021 को लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा में आठ लोगों की जान चली गई थी, जिनमें से चार किसान थे।

जाहिर है कि लखीमपुर खीरी जिले के तिकुनिया में हुई इस हिंसा में केंद्रीय मंत्री अजय कुमार मिश्रा का बेटा आशीष मिश्रा मुख्य आरोपी है। सोमवार यानी आज हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने एसआईटी को भंग करने का आदेश देते हुए कहा कि अगर एसआईटी को फिर से गठित करने की जरूरत महसूस होगी, तो इस संबंध में उचित आदेश पारित कर दिया जाएगा। तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एसबी शिरोडकर, दीपेंद्र सिंह और पदमजा चौहान इस एसआईटी का हिस्सा थे।

केशव प्रसाद मौर्य के दौरे के वक्त हुई थी घटना

मामले की बात करें तो उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे के विरोध में लखीमपुर खीरी के किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान एक कार ने विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों को कुचल दिया था। जिसमें चार किसानों की मौत हो गई थी। इसके बाद गुस्साए लोगों ने कार के ड्राइवर और भाजपा के दो कार्यकर्ताओं की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इस हिंसा में एक पत्रकार की भी मौत हुई थी। घटना को लेकर विपक्ष और किसान संगठनों ने जमकर हंगामा किया था। मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को सुप्रीम कोर्ट ने बीती 11 जुलाई को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था, जिसे 26 सितंबर तक बढ़ा दिया था। इस मामले में आशीष मिश्रा समेत कुल 13 आरोपी हैं। आशीष मिश्रा के अलावा अन्य आरोपियों में अंकित दास, नंदन सिंह बिष्ट, लतीफ काले, सत्यम उर्फ सत्य प्रकाश त्रिपाठी, शेखर भारती, सुमित जायसवाल, आशीष पांडे, लवकुश राना, शिशुपाल, उल्लास कुमार उर्फ मोहित त्रिवेदी, रिंकू राना और धर्मेंद्र बंजारा का नाम शामिल है।

आदित्य-एल-1 ने वैज्ञानिक आंकड़े एकत्र करना किया शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इसरो ने आदित्य-एल1 मिशन से जुड़ी अहम जानकारी सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि आदित्य-एल1 ने वैज्ञानिक आंकड़े एकत्र करना शुरू कर दिया है।

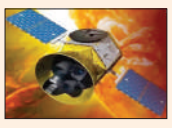

स्टेप्स उपकरण के सेंसर ने पृथ्वी से 50,000 किमी से अधिक दूरी पर सुपर-थर्मल और ऊर्जावान आयनों और इलेक्ट्रॉनों को मापना शुरू कर दिया है। यह डाटा वैज्ञानिकों को पृथ्वी के आसपास के कणों के व्यवहार का विश्लेषण करने में मदद करता है। यह आंकड़ा विभिन्न इकाइयों में से एक द्वारा एकत्र किए गए ऊर्जावान कणों के बारे में वातावरण की भिन्नता के संबंध में जानकारी देता है।

किसानों से किये गये वादे अब तक नहीं हुए पूरे : टिकैत

फोटो : 4पीएम

» लखनऊ में हो रही किसान महापंचायत में बोले किसान नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आज सोमवार को किसान महापंचायत हो रही है। जिसमें शामिल होने के लिए प्रदेश भर से किसान आए हुए हैं। यह महापंचायत लखनऊ के ईको गार्डेन में हो रही है। महापंचायत के लिए भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत भी पहुंचे। इस दौरान राकेश टिकैत ने महापंचायत को लेकर एलान किया था कि इस बार आर-पार की लड़ाई होगी। सरकार ने किसानों से जो वादे किए थे वो अभी तक पूरे नहीं हुए हैं।

राकेश टिकैत ने मीडिया से बातचीत में महापंचायत के बारे में कहा कि यहां किसान अपनी बात रखने के लिए आए हैं। भाजपा ने सरकार बनने पर किसानों को मुफ्त बिजली देने का वादा किया था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गन्ना किसानों का पूरा भुगतान नहीं हुआ है और बिजली बिल के नाम पर किसानों को लूटा जा रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।